MODEL QUESTIONS
FOR
MATRIC EXAMINATION-2016(ANNUAL)
SUJECT-HINDI
SET-1

(समय– 3घंटे 15 मिनट) (पूर्णाक–100)

प्रश्न1.(अ) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 6X2= 12

साहित्य और समाज का संबंध जानने के लिए हमें पहले यह जानना होगा कि साहित्य क्या है ? इसका उद्‌देश्य क्या है ? सृष्टि में कोई भी प्राणी, पदार्थ या अन्य कुछ निरूद्‌देश्य नहीं है। मानव इस सृष्टि का सर्वोच्च प्राणी है। मानव ने अपने सतत् प्रयास और साधना से आज तक जो भी प्राप्त किया है उसमें साहित्य और कला उसकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि रही है। इसलिए साहित्य का मूल स्त्रोत मानव को ही माना गया है। इस प्रकार सहित्य का मूल उद्‌देश्य जीवन और समाज की कुरीतियों तथा सभी प्रकार की बुराईयों से हटाकर स्वस्थ, सुन्दर और आनन्दमय जीवन की ओर अग्रसर करना है। शब्द रचना की दृष्टि से साहित्य शब्द में दो शब्दों में हित का भाव पाते हैं। अर्थात जो रचना मानवता का हित साधन करती है वह ''साहित्य'' है। डा0 श्यामसुन्दर दास के अनुसार ''साहित्य'' वह है जो हृदय में अलौकिक आनन्द का या चमत्कार की सृष्टि करे। ''प्रेमचन्द ने कहा है ''साहित्य हमारे जीवन को स्वाभाविक और सुन्दर बनाता है।''

भारतीय आचार्यो के अनुसार रस प्राप्त करना या मनोरंजन पाना ही साहित्य का उद्देश्य है। यह तभी मिल सकता है जब मनुष्य का मन स्वस्थ व सहज हो। मानव जीवन और समाज संसार में सर्वोच्च है। ऐसी मान्यता है कि साहित्य कला, ज्ञान–विज्ञान, दर्शन, धर्म आदि जो कुछ भी संसार में है वह सब जीवन और मानव समाज के लिए ही है। मानव एक सामाजिक प्राणी है। वह जो कुछ भी सोचता या समझता है वह सब लिपिबद्ध होकर साहित्य कहलाता है। जब से मानव ने सोचना–विचारना, पढ़ना–लिखना सीखा है तभी से साहित्य समाज में आदान–प्रदान की यह प्रक्रिया भी चल रही है और तब तक चलती रहेगी जब तक मनुष्य में सोचने–समझने के गुण रहेंगे।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें।)

(क) इस सृष्टि का सर्वोच्च प्राणी कौन है ?
(ख) मानव की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि क्या है ?
(ग) साहित्य का मूल उद्देश्य क्या है ?
(घ) साहित्य किसे कहते है ?
(ड़) मनुष्य में सोचने–समझने के गुण कब तक बने रहेगें ?
(च) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दें।
(ब) निम्नांकित को गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 4X2= 8

मैं बिहारी हूँ। मुझे बिहारी होने का गर्व है। बुद्ध की कर्मभूमि और महावीर की जन्मभूमि में जन्म लेकर मैं अपने–आप को भाग्यशाली मानता हूँ। इस प्रांत के वैशाली जिला के अन्तर्गत गोरौल थाना क्षेत्र में एक बड़ा गॉव है, जो शहर से दूर–सुदूर हरियाली और विभिन्न रंगीलियों तथा ऐतिहासिकता को समेटे हुए है जिसे सोन्धों नाम से जाना जाता है। जानकार बताते हैं कि प्राचीनकाल में कभी ''महेन्द्र सिंधु'' नामक कोई राजा यहाँ राज करते थे। शायद उन्हीं 'सिंधु' शब्द से 'सोधों' शब्द की उत्पति हुई। खैर जो भी हो लेकिन यहाँ की सभ्यता–संस्कृति पौराणिकता के आधार को अभी भी बनाऐ रखा है। नारायणी और पुण्यसलिला गंगा के तट पर अवस्थित वैशाली जिला राजधानी पटना के उत्तर गंगा पार है।

प्राचीन काल से ही सम्पूर्ण विश्व के लिए वैशाली प्रेरणा का स्त्रोत रहा है। गणतंत्र की प्रथम लाली यहीं से फूटी और आज उसकी किरणें सम्पूर्ण जगत में फैली है। महावीर ने यहाँ जन्म लिया, जिन्होंने अपनी साधना और ज्ञान से विश्व की ज्ञान–पिपासा को शात किया। महात्मा बुद्ध ने अपनी

Biharboardquestionpaper.com

अमृतमयी वाणी से संसार को सिंचित किया। प्रथम विश्वसुन्दरी होने का जो गौरव आम्रपाली को प्राप्त है जो यहीं मिली थी। महज यह तो एक जिले की बात है जबकि यहाँ अड़तीस जिले हैं। वे सब के सब एक से बढ़कर एक हैं। जिनकी अपनी पहचान है, अपनी परम्परा है, अपनी बोली है और अपनी सभ्यता–संस्कृति है। लेकिन एक बात सभी में सामान्य है और वह है श्रमशीलता, इस बिहार की श्रम क्षमता का पूरा देश कायल है। भारतवर्ष का कोई ऐसा प्रांत नहीं जहां कल–कारखानों के साथ कृषि–कार्य बिना बिहारियों के हो रहे हों। इस प्रकार देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ को बिहार ने मजबूती प्रदान की है। भले ही हमें कोई गाली दे, लेकिन हमारी उपादेयता सब पर है। अनन्तः एक बात समझ में आती है कि यदि यहाँ पूर्ण साक्षरता हो जाए और पलायन रूक जाए तो बिहार शायद भारत के विकसित प्रदेश के रूप में प्रसिद्ध हो जाएगा।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें।)

(क) सोन्धों शब्द की उत्पत्ति कैसे हुई ?

(ख) वैशाली कहाँ अवस्थित है ?

(ग) भारत की अर्थव्यवस्था को किसने मजबूती प्रदान की है ?

(घ) बिहार ''विकसित प्रदेश'' कब बन सकता है ?

प्रश्न 2. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक पर निबंध लिखें। 10

(क) प्रदूषण की समस्या

(i)भूमिका
(ii)प्रदूषण के प्रकार
(iii)प्रकृति और मानव पर कुप्रभाव
(iv)प्रदूषण के कारण और रोकथाम के उपाय
(v)उपसंहार

(ख) परीक्षा का भय

(i)भूमिका
(ii)भय क्यों
(iii)भय के दुष्प्रभाव
(iv)माता–पिता और गुरू का दायित्व
(v)उपसंहार।

(ग) मेरी रेल यात्रा

(i)भूमिका
(ii)पूर्ण तैयारी
(iii)यात्रा में संयम
(iv)उपलब्धि
(v)उपसंहार।

प्रश्न 3.आय प्रमाण–पत्र बनवाने के लिए अंचलाधिकारी को एक आवेदन पत्र लिखें। 5

अथवा

शिक्षक–छात्र संवाद परीक्षा की तैयारी विषय पर एक वार्तालाप प्रस्तुत करें।

अथवा

प्रश्न 4. वचन किसे कहते हैं। इनके भेदों को लिखें। 5

अथवा

कर्मधारय और बहुब्रीहि समास में अन्तर स्पष्ट करें।

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। 5X1= 5

(क) वर्णों के समूह को..................................कहते है।
(ख) ''क्ष'' ''त्र'' ''ज्ञ''....................................व्यंजन है।
(ग) भाई–बहन में..समास है।
(घ) पाप का विलोम...................................होता है।
(ड़) प्रेम ....वाचक संज्ञा है।

प्रश्न 6. निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करेंः– 5X1= 5
(क) मैं, वह और तुम पढ़ोगे।
(ख) मोहन को चार गौए हैं।
(ग) मेरा प्राण सूख गया।
(घ) हमेशा ससावधान रहे।
(ड.) सच्ची बात सुनते ही उसकी चेहरा उतर गया।

प्रश्न 7.स्तम्भ 'अ' और 'ब' का सही मिलान करें। 6X1= 6

(1.) परम्परा का मूल्यांकन	(क) सुजाता
(2.) नगर	(ख)राम विलास शर्मा
(3.) हमारी नींद	(ग) अंबेडकर
(4.) श्रम विभाजन	(घ) वीरेन डंगवाल
(5.) अक्षर ज्ञान	(ड़) अशोक वाजपेयी
(6.) आविन्यों	(च)अनामिका

निर्देशः– (प्रश्न संख्या 8 से 12 (iii) और 13 से 17 (iii) तथा 18 से 20 तक के प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न 8. जाति के आधार पर श्रम–विभाजन अस्वाभाविक है कैसे ? 3

प्रश्न 9. काशू का चरित्र–चित्रण करें। 3

प्रश्न 10. बढ़ते नाखूनों द्वारा प्रकृति मनुष्य को क्या याद दिलाती है ? 3

प्रश्न 11. बहादुर का चरित्र–चित्रण करें ? 3

प्रश्न 12. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर देंः–

मेरे भाई और रिश्तेदार अच्छे ओहदों पर थे और उन सभी के यहाँ नौकर थे। मैं जब बहन की शादी में घर गया तो वहाँ नौकरों का सुख देखा। मेरी दोनों भाभियाँ रानी की तरह बैठकर चारपइयाँ तोड़ती थी, जबकि निर्मला को सबेरे से लेकर रात तक खटना पड़ता था। मैं ईर्ष्या से जल गया। इसके बाद नौकरी पर वापस आया तो निर्मला दोनों जून नौकर–चाकर की माला जपने लगी। उसकी तरह अभागिन और दुखियाँ स्त्री और भी कोई इस दुनिया में नहीं होगी। वे लोग दूसरे होते हैं, जिनके भाग्य में नौकर का सुख होता है।

(क)यह पंक्ति किस पाठ से अवतरित है ?
(ख)इस पाठ के लेखक कौन हैं ?
(ग) इस अवतरण का सारांश लिखें?

प्रश्न 13. 'राम नाम विरथे जगि जनमा' पद का सारांश अपने शब्दों में लिखें। 3

प्रश्न 14. रसखान रचित सवैयें का अर्थ अपने शब्दों में लिखें। 3

प्रश्न 15. कवि कहाँ अपने आसुओं को पहुँचाना चाहता है और क्यों ? 3

प्रश्न 16. ''स्वदेशी'' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ? 3

प्रश्न 17. निम्नांकित पद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर देंः–

भारतमाता ग्राम वासिनी
खेतों में फैला है श्यामल

BiharboardQuestionpaper.com

धूल भरा मैला–सा आँचल
मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी।

(क)प्रस्तुत पंक्तियाँ किस शीर्षक से अवतरित है ? 1

(ख)इसके रचनाकार कौन है ? 1

(ग)उक्त पंक्तियों का भाव अपने शब्दों में लिखें ? 3

प्रश्न 18. नजम्मा का चरित्र–चित्रण करें। 3

प्रश्न 19. गुणनिधि का परिचय दीजिए। 3

प्रश्न 20. 'माँ' कहानी के शीर्षक की सार्थकता लिखें। 4

BiharboardQuestionpaper.com

BiharboardQuestionpaper.com

MODEL QUESTIONS
FOR
MATRIC EXAMINATION-2016(ANNUAL)
SUJECT-HINDI
SET-2

(समय– 3 घंटे 15 मिनट) (पूर्णांक–100)

प्रश्न 1.(अ) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 6X2= 12

साहित्यकार "साहित्य" की रचना करता है। साहित्य का अर्थ है जिसमें सबों का हित सन्निहित हो। इस अर्थ में साहित्य, वह चाहे किसी भी विधा की रचना हो, कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास या निबंध आदि में से कोई भी हो; वह व्यक्ति एवं समाज के कल्याण के लिए होता है। सच्चा साहित्य समाज को बदल सकने में सक्षम होता है। सच्चा साहित्य ऐसा परिर्वतन ला सकता है, जिसकी हम परिकल्पना भी नहीं कर सकते। सच तो यह है कि कवि या लेखक अपनी रचना में अपने मनोगत विचार प्रकट करते हैं, वे विचार पाठकों में नए संस्कार, नए चिंतन, नए विमर्श एवं नई तर्क शक्ति पैदा करने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। संत कवि तुलसीदास,कबीरदास, रैदास, गुरु नानक एवं गुरु गोविन्द सिंह की परम कल्याणमयी परावाणी मानव जाति की अमूल्य निधि हैं। उनके अध्ययन से हम नई दिशा एवं नई ऊर्जा पाते है। हमारा चिंतन और विचार पवित्र एवं परिष्कृत बनता है।

(क) साहित्य की रचना कौन करता है ?
(ख) सच्चा साहित्य हम में बदलाव ला सकता है कैसे ?
(ग) साहित्य में सबों का हित सन्निहित होता है, स्पष्ट करें ?
(घ) कवि या लेखक अपनी रचना में सुधारवाद को प्रश्रय देते है। ऐसे कुछ कवियों के नाम बताएँ।
(ड़) अच्छा साहित्य हमारा सच्चा मित्र है, इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं, स्पष्ट करें।
(च) भक्तों एवं संतों की वाणी मानव जाति की अमूल्य निधि है ' स्पष्ट करें।

प्रश्न 2. (ब) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 4X2=8

पूस की अँधेरी रात। आकाश में तारे भी ठिठुरते हुए मालूम होते थे। हल्कू अपने खेत के किनारे ईख के पत्तों की एक छतरी के नीचे बाँस के खटोले पर अपनी पुरानी चादर ओढ़े काँप रहा था। नीचे उसका पालतू जबरा पेट में मुँह डाले सरदी से कूँ–कूँ कर रहा था। दोनों में से एक को भी नींद नहीं आ रही थी। हल्कू ने घुटनों को गर्दन से चिपटाते हुए कहा, "क्यों जबरा" जाड़ा लगता है ? कहता तो था घर में पुआल पर लेटा रह, पर तू यहाँ दौड़ा–दौड़ा चला आया। अब खाओ ठंड, मैं क्या करूँ ? जबरे ने पड़े–पड़े दुम हिलाई और वह अपनी कूँ–कूँ को दीर्ध बनाता हुआ एक बार जम्हाई लेकर चुप हो गया। उसकी श्वान बुद्धि ने शायद ताड़ लिया कि स्वामी को मेरी कूँ–कूँ से नींद नहीं आ रही है। हल्कू ने हाथ निकालकर जबरा की ठंडी पीठ सहलाते हुए कहा, कल से मत आना मेरे साथ, नही तो ठंडे हो जाओगे। यह सर्द पछुआ न जाने कहाँ से बर्फ लिए आ रही है। उठूँ, फिर एक चिलम भरूँ। किसी तरह रात तो कटे। आठ चिलम हो भी चुका। यह खेती का मजा है और एक भाग्यवान ऐसे पड़ें हैं जिनके पास जाड़ा जाए तो गर्मी से घबड़ाकर भागे। मोटे–मोटे गद्दे ,लिहाफ, कंबल। तकदीर की खूबी है। मजूरी हम करें, मजा दूसरे लूटें।

(क) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दें।
(ख) पूस की रात में हल्कू कहाँ सोया था ?
(ग) हल्कू के साथ दूसरा संगी कौन था ?
(घ) ठंड कम करने के लिए हल्कू क्या किया करता था?

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न 2. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें। 10

(क) जीवन में पुस्तकों का महत्व
(i) भूमिका
(ii) अच्छी पुस्तकों की पहचान
(iii) अमूल्य साथी है पुस्तक
(iv) अच्छी पुस्तकों की पहचान
(v) उपसंहार।

(ख) लोकतंत्र और चुनाव
(i) भूमिका
(ii) निर्वाचन प्रणाली
(iii) आम जनता के लिए स्वच्छ चुनाव
(iv) मतदान–आपका अधिकार
(v) उपसंहार।

(ग) सह –शिक्षा
(i) भूमिका
(ii) सह–शिक्षाः प्रारंभ कब से ?
(iii) सह–शिक्षाः क्यों जरूरी ?
(iv) सह–शिक्षा से लाभ और हानि
(v) उपसंहार।

प्रश्न 3. छोटे पुत्र को संबोधित करते हुए पिता का एक पत्र लिखें, जिसमें मनोबल बढ़ाने की कोशिश की गई हो। 5

अथवा

रोगी और चिकित्सक के संवाद को एक वार्तालाप के रूप में लिखे।

प्रश्न 4. अव्यय किसे कहते है ? सोदाहरण लिखें 5

अथवा

उपसर्ग एवं प्रत्यय सोदाहरण लिखे ?

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों को भरेः 5X1= 5

(क)सुख–दुख़..समास का उदाहरण है।
(ख) प्रजाति में.. उपसर्ग हैं
(ग) 'ह' का उच्चारण स्थान .... है।
(घ) पवन का संधि–विच्छेद .... होगा।
(ड़) 'ई' प्रत्यय लगाकर .... शब्द बनेगा।

प्रश्न 6. निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करेंः– 5X1= 5

(क) मैं एक पत्र लिखा।
(ख) आग लगने से फसल नष्ट हो गया।
(ग) आँख भर आया।
(घ़) मैंने पुस्तक खरीदा।
(ड.) रात बीत गया।

BiharboardQuestionpaper.com

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न 7. स्तंभ ''अ'''और ''ब'' का सही मिलान करें।

अ	ब
(क) भारतमाता	(i) विनोद कुमार शुक्ल
(ख) अक्षर–ज्ञान	(ii) प्रेमघन
(ग) स्वदेशी	(iii) गुणाकर मूले
(घ) मछली	(iv) महात्मा गाँधी
(ङ) शिक्षा और संस्कृति	(v) अनामिका
(च) नागरी लिपि	(vi) सुमित्रानंदन पंत

निर्देशः– (प्रश्न संख्या 8 से 12 (iii) और 13 से 17 (iii) तथा 18 से 20 तक के प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न 8. मछली और दीदी में क्या समानता दिखाई पड़ती है ? 3

प्रश्न 9. बिस्मिल्ला खाँ का परिचय पाठ के आधार पर दे ? 3

प्रश्न 10. शिक्षा का ध्येय गाँधीजी क्या मानते थे और क्यों ? 3

प्रश्न 11. परंपरा का ज्ञान किनके लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है और क्यों ? 3

प्रश्न 12. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें:–

आपको यह ध्यान में रखना चाहिए कि प्रारंभिक शिक्षा में सफाई, तंदरूस्ती, भोजनशास्त्र, अपना काम आप करने और घर पर माता–पिता को मदद देने वगैरह के मूल सिद्धांत शामिल हों। मौजूदा पीढ़ी के लेखकों को स्वच्छता और स्वावलंबन का कोई ज्ञान नहीं होता और वे शरीर से कमजोर होते हैं। मैं साहस, बल, सदाचार और बड़े लक्ष्य के लिए काम करने में आत्मोत्सर्ग की शक्ति का विकास कराने की कोशिश करूँगा। यह साक्षरता से ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। किताबी ज्ञान तो उस बड़े उद्देश्य का एक साधनमात्र है।

(क) इस गद्यांश का अवतरण किस पाठ से है?

(ख) इस पाठ के लेखक कौन हैं?

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखें।

प्रश्न 13. कवि ने प्रेम मार्ग को ''अति सूधौं'' क्यों कहा है ? इस मार्ग की क्या विशेषता है? 3

प्रश्न 14. हमारी नींद कविता का संदेश क्या है? 3

प्रश्न 15. विराट जनतंत्र का स्वरूप क्या है ? 3

प्रश्न 16. कवि की दृष्टि में आज के देवता कौन है और वे कहाँ मिलेगें? 3

प्रश्न 17. निम्नांकित पद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:–

लेकिन,होता भूडोल, बवंडर उठते हैं,
जनता जब कोपाकुल हो भृकुटि चढ़ाती है;
दो राह, समय के रथ का घर्घर–नाद सुनो,
सिंहासन खाली करो कि जनता आती हैं।

(क) यह पद्यांश किस पाठ से उद्धत है? 1

(ख) इसके रचनाकार कौन हैं? 1

(ग) इस पद्यांश का भाव स्पष्ट करें। 3

प्रश्न 18. लक्ष्मी के चरित्र पर प्रकाश डाले? 3

प्रश्न 19. माँ का चरित्र–चित्रण करें। 3

प्रश्न 20. कहानीकार ने कहानी का शीर्षक''नगर'' क्यों रखा है? शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें। 4

BiharboardQuestionpaper.com

MODEL QUESTIONS
FOR
MATRIC EXAMINATION-2016 (ANNUAL)
SUBJECT-HINDI
SET-3

(समय– 3घंटे 15 मिनट) (पूर्णांक–100)

प्रश्न 1.(अ) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 6X2= 12

मानव जीवन अनेक जन्मों के संचित पुण्य कर्म से प्राप्त हुआ है। संतों ने इस जीवन को दुर्लभ बतलाया है। यही कारण है कि मनुष्य शरीर को सदैव पवित्र एवं कल्याणकारी कार्यों में लगाए रखने संबंधी हिदायत दी गई है। परोपकार, दान, कष्ट सहिष्णुता, सदाचरण, धर्म– पालन, ईश्वर–भक्ति, प्राणिमात्र के प्रति सेवा–भाव, ईमानदारी, मातृ–पितृ, गुरू–भक्ति एवं अतिथि–सत्कार आदि मानवोचित गुण कहे गए हैं। भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, महात्मा गाँधी, स्वामी विवेकानन्द आदि का उदाहरण हमें सदैव नित नई प्रेरणा एवं ऊर्जा से ओत–प्रोत कर देता है। हम मनुष्य हैं, तो मनुष्य गुण युक्त कर्म करने चाहिए तथा पशुताजन्य दुर्गुणों से अपने–आपको बचाए रखना चाहिए। मानव जीवन का परम लाभ यही है कि हम अपने संस्कार तथा सद्विचार दूषित न होने दें। आज जबकि हमारे चारों ओर सांप्रदायिक शक्तियाँ उठ खड़ी हो गई हैं, ऐसे विषम समय में हमें चाहिए कि हम पौराणिक आदर्शों एवं मान्यताओं को अंगीकार करना सीखें तथा सदगुणों को अपनाने पर बल दें।

(क) मानव जीवन को दुर्लभ क्यों बतलाया गया है ?
(ख) मानवोचित गुण किसे कहा गया है ?
(ग) मानव जीवन का परम लाभ क्या है ?
(घ) सदगुण एवं दुर्गुण से आप क्या समझते हैं ?
(ङ.) भगवान श्रीराम एवं श्रीकृष्ण से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?
(च) हमें नए संस्कार कैसे प्राप्त हो सकते हैं ?

(ब) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें। 4X2= 8

प्राचीनकाल में बोपदेव नामक एक बालक था। वह पढ़ने में बेहद कमजोर था। उसे अपना पाठ कभी भी ठीक से याद नहीं हो पाता था। इसलिए रोज उसे अपने गुरु से डाँट खानी पड़ती थी। धीरे–धीरे उसे अपने मूर्ख और मंदबुद्धि होने का विश्वास हो गया। कोई भी परीक्षा पास नहीं कर पाने के कारण गुरुजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया। वह बेहद उदास मन से अपने घर की ओर चल दिया। रास्ते में उसे जोरों की प्यास लगी। वह पानी पीने नजदीक के कुएँ पर गया। वहाँ पर उसने देखा कि गाँव की स्त्रियाँ जल भर रही हैं। अचानक उसकी नजर कुएँ के किनारे घिसे पत्थरों पर गई, जहाँ यत्र–तत्र गडढ़े जैसे बने दिख रहे थे। उसने उन स्त्रियों से उन निशानों के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि रस्सी के बार–बार आने–जाने से यह पत्थर घिस गया है और उन पर निशाना पड़ गए हैं। बोपदेव ने सोचा यदि कोमल रस्सी से कठोर पत्थर पर निशाना पड़ सकते हैं, तो नित्य और निरंतर अभ्यास से वह भी परीक्षा में सफल हो सकता है तथा उसकी अज्ञानता नष्ट हो सकती है। यह सोचकर उसने दृढ़ निश्चय किया और वापस गुरुजी के पास चला गया। उसने खूब मन लगाकर पढ़ना शुरू किया। वह कठोर परिश्रम करने लगा। अंततः वह परीक्षा में सफल हुआ। अब उसके गुरुजी भी उस पर बहुत प्रसन्न थे। निरंतर परिश्रम से वह आगे चलकर एक बहुत बड़ा विद्वान बना तथा संसार में जगत प्रसिद्ध हुआ।

(क) बोपदेव को गुरुजी से रोज क्यों डाँट खानी पड़ती थी ?
(ख) बोपदेव को कहाँ से सीख मिली ?
(ग) बोपदेव आगे चलकर कैसा व्यक्ति बन गया ?
(घ) उपर्युक्त गद्यांश का एक उचित शीर्षक दें।

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न 2. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें। 10

(क) हमारा शारीरिक विकास
(i) भूमिका
(ii) बाल्यावस्था
(iii) किशोरावस्था
(iv) युवावस्था
(v) वृद्धावस्था
(vi) उपसंहार
(ख) भारतीय किसान
(i) भूमिका
(ii) भारत में किसानों की स्थिति
(iii) साधन का अभाव
(iv) अशिक्षा एवं बीमारी
(v) विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याएँ
(vi) उपसंहार
(ग) विद्या धन की महत्ता
(i) भूमिका
(ii) विद्याः एक अमूल्य धन
(iii) विद्या आवश्यक क्यों ?
(iv) विद्या अध्ययन से सुसंस्कार की प्राप्ति
(v) उपसंहार

प्रश्न 3. साक्षरता अभियान चलाने के लिए अपने प्रधानाध्यापक के पास एक पत्र लिखें। 5

अथवा

सड़कों की खराब स्थिति की ओर नगर निगम के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु दैनिक जागरण पत्र के संपादक को एक पत्र लिखें।

प्रश्न 4. पदबंध और उपवाक्य में अंतर स्पष्ट करें। 5

अथवा,

वाच्य किसे कहते हैं ? इनके भेदों को सोदाहरण लिखें।

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों को भरें। 5X1= 5

(क) पीताम्बर ....समास है।
(ख) सुमंत में ....उपसर्ग है।
(ग) नीरज का संधि–विच्छेद ....होगा।
(घ) पुरातन का विलोम ....होगा।
(ड.) जो शिव का उपासक है उसे ....कहेंगे।

प्रश्न 6. निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करें। 5X1= 5

(क) उन्होंने हाईस्कूल की शिक्षा पाया।
(ख) काशी संस्कृति का पाठशाला है।
(ग) नाखून क्यों बढ़ती है ?
(घ) आपका रूचि जीव–जन्तुओं में है।
(ड.) हमारी शिक्षक हमसे अनेकों प्रश्न पूछते हैं।

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न 7. स्तम्भ 'अ' और 'ब' का सही मिलान करें। 6X1= 6

अ	ब
(क) आविन्यों	(I) जीवनानंद दास
(ख) जनतंत्र का जन्म	(II) स0 ही0 वात्स्यायन अज्ञेय
(ग) लौटकर आऊँगा फिर	(III) अशोक वाजपेयी
(घ) हिरोशिमा	(IV) यतीन्द्र मिश्र
(ड.) बहादुर	(V) अमरकांत
(च) नौबतखाने में इबादत	(VI) रामधारी सिंह दिनकर

निर्देशः– (प्रश्न संख्या 8 से 12 (iii) और 13 से 17 (iii) तथा 18 से 20 तक के प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न 8. मैक्समूलर के अनुसार वास्तविक इतिहास क्या है ? 3

प्रश्न 9. जातिप्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बनी हुई है ? 3

प्रश्न 10.बिरजु महाराज पुराने और आज के नर्तकों के मध्य कैसा अंतर पाते हैं ? 3

प्रश्न 11.प्रतीक्षा करते पत्थर से आपको क्या सीख मिलती है ? 3

प्रश्न 12. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें।

अल्पज्ञ पिता बड़ा दयनीय जीव होता है। मेरी छोटी लडकी ने उस दिन पूछ लिया कि आदमी के नाखून क्यों बढ़ते हैं तो मैं कुछ सोच ही नहीं सका। हर तीसरे दिन नाखून बढ़ जाते हैं, बच्चे कुछ दिन तक अगर उन्हें बढ़ने दें, तो माँ–बाप अक्सर उन्हें डाँटा करते हैं। पर कोई नहीं जानता कि ये अभागे नाखून क्यों इस प्रकार बढा करते हैं। काट दीजिए, वे चुपचाप दंड स्वीकार कर लेंगे, पर निर्लज्ज अपराधी की भाँति फिर छूटते ही सेंध मारने पर हाजिर। आखिर ये इतने बेहया क्यों हैं ?

(i) यह किस पाठ से अवतरित है ? 1
(ii) इसके लेखक कौन हैं ? 1
(iii) गद्यांश का सारांश लिखें ? 3

प्रश्न 13.गुरु की कृपा से किस युक्ति की पहचान होती है ? 3

प्रश्न 14.कवि किसके बीच अंधेरे में रहने की बात करता है ? स्पष्ट करें। 3

प्रश्न 15.कवि अपने आपको जलपात्र और मदिरा क्यों कहा है ? 3

प्रश्न 16.कवि दिनकर के अनुसार खेत–खलिहान में मिलनेवाला देवता कौन है ? 3

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न 17.निम्नलिखित पद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

अति सूधो सनेह को मारग हैं
जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनपौ
झझुकैं कपटी जे निसांक नहीं।।
धन आनँद प्यारे सुजान सुनौ
यहाँ एक तैं दूसरौ आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़ै हौ कहौ
मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं ।।

(i) यह किस पाठ से अवतरित है ? 1

(ii) इसके कवि कौन हैं ? 1

(iii) इसका सारांश लिखें। 3

प्रश्न 18.मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में फर्क है, उसे अपने शब्दों में लिखें। 3

प्रश्न 19.पाप्पति कौन थी, उसे शहर क्यों लाई गई थी ? 3

प्रश्न 20.सीता का चरित्र–चित्रण करें। 4

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल
क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की,
पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और
प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...
BiharboardQuestionpaper.com
अभी विजिट करें..

MODEL QUESTIONS
FOR
MATRIC EXAMINATION-2016 (ANNUAL)
SUBJECT-HINDI
SET-4

(समय– 3घंटे 15 मिनट) (पूर्णांक–100)

प्रश्न 1.(अ) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 6X2= 12

राम का चरित्र युगांतकारी था। वे केवल दशरथ के पुत्र नहीं थे, अयोध्या के राजा मात्र नहीं थे, बल्कि वे सम्पूर्ण जगत के पालनहार तथा धर्म की रक्षा के लिए ही अवतरित हुए थे। राम का महत्व इसीलिए है कि वे मर्यादा रक्षक, सर्वगुण सम्पन्न तथा असुर विनाशक थे। सीता का हरण होता है, तब राम दशानन रावण का पता लगाते हैं और पता चलता है कि वह सीता को ले भागा है। राम अपनी वानरी सेना के साथ लंका पर चढ़ाई करते हैं। रावण को मारकर लंका पर विजय प्राप्त करते हैं।

BiharboardQuestionpaper.com

राम का चरित्र प्रारम्भ से ही श्रेष्ठ एवं मर्यादित रहा था। वे सदैव माता–पिता एवं गुरुजनों की सेवा में तत्पर रहते थे। प्रजाजनों के सुख–दुख का ख्याल रखते थे। वे सबों का यथोचित सम्मान करते थे। राम ने पिता के वचन की रक्षा के लिए चौदह वर्षों का वनवास स्वीकार किया। इस दौरान सीता का अपहरण हो गया। उन्होंने वानर–भालुओं से मित्रता की और एक नया प्रतिमान स्थापित किया। शवरी के जूठे बेर खाये। इस प्रकार दलित और नारी सम्मान के साथ ही वन्य प्राणियों के साथ प्रेम कर उसकी आवश्यकता पर बल दिया।

दशहरे में राम और रावण दोनों ही याद किए जाते हैं। दोनों विपरीत अर्थ के द्योतक हैं। एक में आदर्श और दूसरे में अनादर्श की भूमिका है। सत्यधर्म के पावन प्रतीक राम का अवतरण ही रावणत्व के निर्मूलन के लिए हुआ था। जब जगत में अत्याचार, अनाचार, भ्रष्टाचार एवं कुत्सित–दूषित प्रवृत्तियाँ पनपने लगती है तब ऐसे मौके पर राम का अवतरण होता है। वे परदुःखकातर, शरणागत वत्सल, सच्चरित्रता को प्रतिमूर्ति हैं, जबकि रावण छल–कपट, असत्य, अहंकार एवं दुर्वासनाओं का प्रतीक है।

दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक का उत्तर 30 शब्दों में)

(क) प्रस्तुत गद्यांश का एक उचित शीर्षक दें।
(ख) राम का चरित्र कैसा था ?
(ग) रावण किन गुणों का प्रतीक है ?
(घ) राम और रावण एक साथ क्यों याद किए जाते हैं ?
(ड.) हमारे भीतर राम और रावण मौजूद है, कैसे ?
(च) दशहरे में कौन याद किये जाते हैं ?

(ब) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। (30 शब्दों में) 4X2= 8

भारतीय संस्कृति हमें नूतन चिंतन और विचारों से ओत–प्रोत करती है। संस्कृति के भीतर रहन–सहन परम्पराएँ, विभिन्न मान्यताएँ एवं विचारधाराएँ शामिल होती हैं। हमारी भारतीय संस्कृति विशेष उदार रही है। वह हमें मानवतावादी तथा सुसंस्कृत बनना सिखलाती है। संस्कृति के द्वारा हम लोक–व्यवहार करना, सेवा की भावना अपनाना तथा पवित्र कर्म में निरत रहना सीखते हैं। संस्कृति को नहीं अपनाने वाला व्यक्ति समाज में असभ्य कहा जाता है। गाँधी जी सदैव कहा करते थे कि ''हमें सभी प्राणियों में ईश्वरत्व के दर्शन करने चाहिए। मानव मात्र की सच्ची सेवा हीं ईश्वर भक्ति है।'' आज की नई पीढ़ी का दायित्व है कि वे इसे जरूरी समझें और आत्मशुद्धि पर बल दें।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर गद्यांश को पढ़कर दें। (प्रत्येक का उत्तर 30 शब्दों में)

(क) एक उचित शीर्षक दें।
(ख) भारतीय संस्कृति कैसी है ?
(ग) संस्कृति हमें क्या सिखलाती है ?
(घ) महात्मा गाँधी के क्या विचार थे ?

प्रश्न 2. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें।

(क) <u>मंहगाई</u>
- (i) भूमिका
- (ii) स्वरूप
- (iii) समस्याएँ
- (iv) उपसंहार

(ख) <u>बसंत ऋतु</u>
- (i) भूमिका
- (ii) प्रकृति में बदलाव

BiharboardQuestionpaper.com

(III) उल्लास की अभिव्यक्ति
(IV) उपसंहार

(ग) बाढ़
(I) भूमिका
(II) कारण
(III) विभीषिका
(IV) उपसंहार

प्रश्न 3. बड़े भाई की शादी में जाने के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को एक पत्र लिखें। 5

अथवा

अपने पिताजी के पास एक पत्र लिखें जिसमें वार्षिक परीक्षा की तैयारी का वर्णन हो।

प्रश्न 4. संज्ञा की परिभाषा देते हुए इसके भेदों को सोदाहरण लिखें। 5

अथवा

समास की परिभाषा दें और प्रमुख भेदों को सोदाहरण लिखें।

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों को भरें। 5X1= 5

(क) जल का विशेषण ....होता है।
(ख) मानव का विलोम ....होता है।
(ग) बूढ़ा का भाववाचक संज्ञा ....होता है।
(घ) कमल का पर्यायवाची ....होता है।
(ड.) 'प' का उच्चारण स्थान ....होता है।

प्रश्न 6. निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करें। 5X1= 5

(क) आज आपकी दर्शन हुआ।
(ख) दो–दो रूपये दो।
(ग) मेरा हिम्मत टूट गयी।
(घ) रात हो गया।
(ड.) दुर्घटना सुनते ही उसकी होश उड़ गई।

प्रश्न 7. स्तम्भ 'अ' और 'ब' का सही मिलान करें। 6X1= 6

अ	ब
(I) नाखून क्यों बढ़ते हैं	(क) विनोद कुमार शुक्ल
(II) विष के दाँत	(ख) श्री निवास
(III) मछली	(ग) सुजाता
(IV) नगर	(घ) बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन
(V) स्वदेशी	(ड.) नलिन विलोचन शर्मा
(VI) [illegible]	(च) [illegible]

BiharboardQuestionpaper.com

निर्देश:– (प्रश्न संख्या 8 से 12 (iii) और 13 से 17 (iii) तथा 18 से 20 तक के प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न 8. 'विष के दाँत' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें। 3

प्रश्न 9. किन कारणों से बहादुर ने एक दिन लेखक का घर छोड़ दिया ? 3

प्रश्न 10.नागरी लिपि कब तक एक सार्वदेशिक लिपि थी ? 3

प्रश्न 11.गाँधी जी बढ़िया शिक्षा किसे मानते हैं ? 3

प्रश्न 12. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

चोर–गुंडा–डाकू होने वाला मदन भी कब माननेवाला था। वह झट काशू पर टूट पड़ा। दूसरे जरा हटकर इस द्वन्द्व युद्ध का मजा लेने लगे। लेकिन यह लड़ाई हडडी और मांस की, बंगले के पिल्ले की और गली के कुत्ते की लड़ाई थी। अहाते में यही लड़ाई हुई होती तो काशू जीतता। वहाँ से तो एक मिनट बाद हीं वह रोता हुआ जान लेकर भाग निकला। महल और झोपड़ीवालों की लड़ाई में अक्सर महलवाले हीं जीतते हैं, पर उसी हालत में जब दूसरे झोपड़ी वाले उसकी मदद अपने खिलाफ करते हैं।

(क) यह गद्यांश किस पाठ से उद्धृत है ? 1
(ख) उक्त पंक्तियों के लेखक कौन है ? 1
(ग) इस गद्यांश का भाव स्पष्ट करें। 3

प्रश्न 13.गुरुनानक की दृष्टि में ब्रह्म का निवास कहाँ है ? 3

प्रश्न 14.वाणी कब विष के समान हो जाती है ? 3

प्रश्न 15.परहित के लिए देह कौन धारण करता है ? 3

प्रश्न 16.कवि ने माली–मालिन किसे कहा और क्यों कहा है ? 3

प्रश्न 17.निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

आरती लिए तू किसे ढूँढता है मूरख,
मंदिरों में राजप्रसादों में तहखानों में,
देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहे,
देवता मिलेंगे, खेतों में खलिहानों में।

(क) इस के रचनाकार कौन हैं ? 1
(ख) यह पद्यांश किस पाठ से अवतरित है ? 1
(ग) इस पद्यांश के भाव स्पष्ट करें। 3

प्रश्न 18.रंगप्पा कौन था और वह मंगम्मा से क्या चाहता था ? 3

प्रश्न 19.कहानी में आये बाढ़ के दृश्यों का चित्रण अपने शब्दों में करें। 3

प्रश्न 20.सीता अपने ही घर में क्यों घुटन महसूस करती है ? `4

Biharboard Questionpaper.com

BiharboardQuestionpaper.com

MODEL QUESTIONS

FOR

MATRIC EXAMINATION-2016(ANNUAL)

SUBJECT-HINDI

SET-V

(समय– 3घंटे 15 मिनट) (पूर्णाक–100)

1. (अ)निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:– 6×2=12

जीवन में सत्संगति का बड़ा महत्त्व है। 'सत्संगति' का अर्थ है अच्छी संगति। छात्रों को सदैव अच्छी संगति करनी चाहिए क्योंकि सत्संगति ही वह महान सीढ़ी है जिस पर चढ़कर जीवन की सर्वोत्तम अच्छाइयों को छुआ जा सकता है।

'सत्संगति' के संबंध में कहा गया है– 'संगति से गुण होता है संगति से गुण जात' और 'संसर्गजाः दोष गुण भवन्ति' जिसका अर्थ है कि संगति से ही दोष–गुण प्रकट होते हैं। अतः जीवन के सारस्वत विकास के लिए जितने भी आवश्यक तत्व बतलाए गए है, उनमें संगति (अच्छी संगति) को श्रेष्ठ माना गया है। अच्छी संगति करनेवाले बच्चे जीवन के सर्वोत्तम गुण स्वतः सीखते जाते हैं। जीवन का लक्ष्य उन्हें साफ नजर आता है तथा लोक–व्यवहार का ज्ञान भी उन्हें प्राप्त होता रहता है। अच्छी संगति में रहनेवाले बच्चे उत्तरोत्तर विकास करते जाते हैं, जबकि बुरी संगति वाले बच्चे अनेक दुर्गुणों के शिकार बनकर शिक्षकों एवं अभिभावकों के लिए सिर दर्द भी बन जाते हैं।

अतः ऐसी परिस्थिति में हमें चाहिए कि हम घर में हों या घर के बाहर, ऐसी संगति में रहें कि हमारे भीतर किसी प्रकार के दुर्गुण न आने पाएँ ।

महात्मा गाँधी ने अपनी 'आत्मकथा' में सदैव 'अच्छी संगति' पर जोर दिया था। हम जितने भी महापुरूष देखते हैं, वे महान कैसे बने हैं ? इसके पीछे का मूल कारण संगति का प्रभाव ही रहा है। हम संगति के महत्त्व से इनकार नहीं कर सकते क्योंकि अच्छी संगति पल–पल हमें बदलने में सक्षम होता है। जबकि बुरी संगति एक ऐसी धुन की तरह है जिनके संस्पर्श से ही अवनति संभावित हो जाती है।

आज जीवन की विभिन्न परिस्थितियाँ बदल गई है। विज्ञान के नित नूतन आविष्कार ने हमारे जीवन को सरल बना दिया है तथा अनेकानेक रोगों एवं बीमारियों पर काबू हो पाया है, तथापि 'संत्संगति' के महत्त्व चिरंतन शाश्वत सत्य की भाँति हमारे समक्ष ढाल की तरह खड़ा है और हमें यह मानना होगा कि यदि हम अच्छी संगति करते हैं तभी हम सर्वत्र प्रशंसा पाते है। सत्य, दया, क्षमा, करूणा, ईमानदारी, परिश्रम करने का गुण आदि तभी हमारे भीतर आ सकता है।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें: (प्रत्येक 30 शब्दो में)

(i) इस पाठ का कोई उपयुक्त शीर्षक दें।

(ii) अच्छी संगति क्यों जरूरी है ?

(iii)अच्छी संगति के बारे में क्या कहा गया है ?

(iv)महापुरूष संगति से महान कैसे बने ?

(v) छात्रों के लिए संगति क्यों प्रभावपूर्ण माना जाता है ?

(vi)अच्छी संगति वाले छात्रों की क्या पहचान है ?

1. (ब)निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:– 4×2=8

सुख और दुःख जीवन रूपी गाड़ी के दो पहिए हैं । जिस प्रकार गाड़ी का एक पहिया काम नही आता, ठीक उसी प्रकार यदि केवल सुख आ जाए अथवा केवल दुःख आ जाए, तब भी जीवन रूपी गाड़ी ठीक ढंग से चल नहीं सकती। जीवन जीने के लिए संतुलन आवश्यक है । शास्त्रों में कहा गया है कि

BiharboardQuestionpaper.com

न तो सुख आने पर खूब खुश होना चाहिए, न दुख आ पड़ने पर हमेशा रोते रहना चाहिए, क्योंकि धैर्य के साथ अच्छे अवसर की प्रतीक्षा करनी चाहिए क्योंकि सदा एक जैसे दिन नहीं रहते।

जीवन का सुख भी हमेशा स्थायी नहीं रहने पाता। जिस तरह रात के बाद दिन आता है, गर्मी के बाद सर्दी आती है उसी प्रकार सुख और दुःख के आने–जाने का क्रम चलता रहता है। ऐसी स्थिति में बुद्विमान मनुष्य धीरज धारण करते है। विपत्ति व संकट के समय शांत रहते है, घबड़ाते नहीं। स्वामी विवेकानंद, महात्मा गाँधी तथा डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम (पूर्व दिवंगत राष्ट्रपति) अपने भाषणों में यही कहा करते थे कि सुख–दुःख में समान भाव रखना चाहिए। साथ ही अपने कर्म के प्रति (सचेष्ट भाव से) निरंतर प्रयत्नशील बने रहना चाहिए। छात्रों को अपने लक्ष्य सदैव सामने रखना चाहिए। इससे उन्हें पढ़ाई में मन लगेगा, सफलता–प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध नहीं होंगे तथा सर्वत्र ही इज्जत और सम्मान भी पाते रहेंगे।

आज हमारा मनोविज्ञान भी यही कहता है कि सुख–दुःख जैसी मनःस्थितियाँ शरीर के विभिन्न अंगों पर अपना प्रभाव भी डालती है। आप यदि किसी के काम की प्रशंसा करते हैं तथा उसे सुख पहुँचाते हैं, तो उसके काम करने की गति में तेजी आएगी। उसी तरह यदि आप किसी के कार्यों में ढ़ेर सारी खामियाँ ढूँढ़ेंगे तथा उसे अपमानित कर दुखी बनाएँगे, तो इसका प्रभाव उसके काम पर जरूर पड़ेगा, इन बातों से यह भी स्पष्ट होता है कि हमें ऐसी स्थितियाँ आने नहीं देनी चाहिए जिससे हमारा मनोबल टूट जाए। अतः सुख–दुःख को सदैव समान समझें तथा जीवन में उत्तरोत्तर संतुलन बनाना सीखें। इससे अनेक लाभ होगे।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:–(प्रत्येक 30 शब्दो में)

(i) सुख–दुःख जीवन की गाड़ी के दो पहिए है, कैसे ?

(ii) जीवन को संतुलित बनाने के लिए क्या करना चाहिए ?

(iii) विभिन्न विद्वानों ने सुख–दुःख के संबंध में क्या कहा है ?

(iv) इस पाठ का कोई उपयुक्त शीर्षक दें ?

2. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें: 10

(क) चरित्र की महत्त्ता

(i) भूमिका

(ii) छात्र जीवन के लिए सीख

(iii) अच्छे चरित्र से लाभ

(iv) बुरे चरित्र से हानि

(v) उपसंहार

(ख) आदर्श नागरिक

(i) भूमिका

(ii) अच्छे नागरिक के दोष

(iii) अच्छे नागरिक के गुण

(iv)महत्त्व

(v)उपसंहार

(ग) दुर्गा पूजा

(i) भूमिका

(ii) विभिन्न कथाओं का जुड़ाव

(iii) दुर्गापूजा की प्रतीकात्मकता

(iv)नारी शक्ति के महत्त्व पर विचार

(v)उपसंहार

BiharboardQuestionpaper.com

3. जीवन में अध्ययन का महत्व बताते हुए अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें । 5

अथवा, दो दिनों की छुट्टी के लिए अपने प्रधानाध्यापक के पास एक आवेदन–पत्र लिखें।

4. संज्ञा और सर्वनाम में अंतर स्पष्ट करें। 5

अथवा, समास किसे कहते हैं, इनके भेदों को लिखें।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:– 5×1=5

(i) धी ....वाचक संज्ञा है।

(ii) कर्त्ता में................चिन्ह होता है।

(iii) साक्षर का विपरीतार्थक शब्द..............है।

(iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी का निबंध '...................क्यों बढ़तें हैं', हमारी पाठ्य पुस्तक में संकलित है।

(v) 'कलम' शब्द का पर्यायवाची................होगा।

6. निम्नलिखित अशुद्व वाक्य को शुद्व करें। 5×1=5

(क) मैंने पुस्तक पढ़ा ।

(ख) राम ने पत्र लिखी ।

(ग) उसके आँख में दर्द है।

(घ) उसका परीक्षा चल रहा है ।

(ड.) मेरा कलम टूट गया ।

7. स्तम्भ 'अ' और स्तम्भ 'ब' का सही मिलान आमने–सामने लिखकर करें:– 6×1=6

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
(i) शिक्षा और संस्कृति	(क) डा0 भीम राव अम्बेडकर
(ii) विष के दाँत	(ख) अनामिका
(iii)परंपरा का मूल्यांकन	(ग) जीवनानंद दास
(iv)श्रम विभाजन और जाति प्रथा	(घ) महात्मा गाँधी
(v) अक्षर ज्ञान	(ड.) नलिन विलोचन शर्मा
(vi) लौटकर आउँगा फिर	(च) राम विलास शर्मा

निर्देश : (प्रश्न संख्या 8 से 12 (**iii**) और 13 से 17(**iii**) तथा 18 से 20 तक के प्रश्नों के उत्तर 30 शब्दों में दें)

8. अच्छी शिक्षा गाँधीजी किसे मानते हैं ? 3

9. जातिप्रथा के दोष क्या हैं ? 3

10. परंपराओं से क्या सीखा जा सकता है ? 3

11. मछली के प्रति बच्चों में कौन –सी जिज्ञासा थी ?

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें:–

शिक्षा से मेरा अभिप्राय यह है कि बच्चे मनुष्य के शरीर, बुद्धि और आत्मा के सभी गुणों को प्रकट किया जाए । पढ़ना–लिखना शिक्षा का अंत तो है ही नहीं, वह आदि भी नहीं है। वह पुरूष और स्त्री को शिक्षा देने के साधनों में केवल एक साधन है। साक्षरता स्वयं कोई शिक्षा नहीं है । इसलिए तो मैं बच्चे की शिक्षा का आरंभ इस तरह करूँगा कि उसे कोई उपयोगी दस्तकारी सिखाई जाए और जिस क्षण से वह अपनी तालीम शुरू करे उसी क्षण उसे उत्पादन का काम करने योग्य बना दिया जाए।

(i) यह गद्यांश किस पाठ से उद्धृत है ? 1

(ii) इस पाठ के लेखक कौन है ? 1

(iii)गाँधीजी ने किस प्रकार की शिक्षा देने पर बल दिया ? 3

BiharboardQuestionpaper.com

13. मैं चाहता हूँ कि सारी शिक्षा किसी दस्तकारी या उद्योगों के द्वारा दी जाए। 3

14. मछली और दीदी में क्या समानता दिखलाई पड़ी ?स्पष्ट करें । 3

15. धर्म की दृष्टि से भारत का क्या महत्व है ? 'भारत से हम क्या सीखें' पाठ के आधार पर बताएँ । 3

16. डुमराँव की महत्त्ता किस कारण से है ? 3

17. निम्नलिखित पद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:–

स्वर्ण शस्य पर–पद–तल लुंठित,
धरती–सा सहिष्णु मन कुंठित,
क्रंदन कंपित अधर मौन स्मित,
राहु ग्रसित
शरदेन्दु हासिनी!

(i)यह पद्यांश किस पाठ से उद्धृत है ? 1

(ii)इस पाठ के रचनाकार कौन है ? 1

(iii)पद्यांश का भाव स्पष्ट करें । 3

18. मंगम्मा का चरित्र–चित्रण करें । 3

19.लक्ष्मी कौन थी ? उसकी पारिवारिक स्थिति का चित्र प्रस्तुत करें । 3

20.'ढहते विश्वास' शीर्षक कहानी की सार्थकता स्पष्ट करें । 4

Bihar

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की, पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...

BiharboardQuestionpaper.com

अभी विजिट करें ..

BiharboardQuestionpaper.com